ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	34.2	33.1	32.1	32.3	31.8
न्यूनतम तापमान(से.)	16.6	14.2	14.2	16.2	13.7
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	36	31	25	20	22
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	16	14	12	14
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13	11	10	13	13
पवन दिशा (डिग्री)	297	34	90	56	66
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	1	7	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

सरसों की फसल में पौधों की संख्या समान रखने के लिए अतिरिक्त पौधों को उखाड़े तथा पौधें से पौधें की दूरी 10 सेमी रखें। पेन्टेड बग व आरा मक्खी का प्रकोप दिखाई देने पर रोकथाम हेतु मिथाईल पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण 20 किलो प्रति हैक्टेयर में भुरकाव करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूं की फसल की बुवाई का उपयुक्त समय नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो जाता है, इसलिए बुवाई के लिए हैरो से दो तीन बार जुताई कर पाटा लगाकर खेत को तैयार करें। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपाईरिफाँस 20 ईसी 5 लीटर प्रति हैक्टर की दर से पलेवा के साथ दें।
गेहूँ	गेहूं की उन्नत किस्में राज 1482,राज 3077, राज 3765, राज 3777, राज 4037, राज 4083, पी बी डब्ल्यू 590, जी डब्ल्यू 11 एंव के आर एल 213 है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
जौ	जौ की बुवाई का उचित समय 01 से 25 नवम्बर तक हैं बुवाई के लिए खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। आर डी 2794, आर डी 2715, आर डी 2552, आर डी 103 एंव बी एल 2 उन्नत किस्में है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की फसल की बुवाई के लिए हैरो से दो तीन बार जुताई कर पाटा लगाकर खेत को तैयार करें। बुवाई हेतु उन्नत किस्मों के बीज का प्रबन्ध करें। आर.जेड-19, जी.सी-4, आर.जेड-209 व आर.जेड-223 उन्नत किस्में है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	इस समय मौसम परिवर्तनशील रहने के कारण पशुओं को रात के समय छप्पर में बांधे।